सर्जियो एस्पोसीतो हेरीटे है नैटेड जूं

अगस्त माह में न्यू यॉर्क से आए हुए **'इली यामिन जाज़ आंसेंबिल'** संगीत मंडली ने तिरुअनंतपुरम, केरल के श्रोताओं को अपनी संगीत प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध कर दिया। मंडली में यामिन, आरि रोलेंड, टॉड विलियम्स और स्टीफ़न शात्ज़ थे। इस संगीत-मंडली ने चेन्नई (तमिलनाडु), कोलकाता, खड़गपुर (पश्चिम बंगाल), मुंबई और पुणे (महाराष्ट्र), अहमदाबाद (गुजरात) और गोवा का भी दौरा किया जहां उन्होंने भारतीय कलाकारों के साथ प्रस्तुतियां दीं तथा स्थानीय संगीतकारों के लिए कार्यगोष्ठियां आयोजित कीं।

टी. जी. वेंकटेश

अगस्त में नेलिस, नेवादा में रेड फ्लैग संयुक्त अभ्यास के दौरान **एयर मार्शल पी.वी. नाइक**, वाइस चीफ, भारतीय वायु सेना (दाएं) अमेरिकी वायु सेना के लेफ्टि. जनरल लॉयड अट्टरबैक से बातचीत करते हुए। अमेरिकी वायु सेना विभिन्न देशों के साथ मिल कर इस प्रकार की लगभग असली लड़ाई के अभ्यास आयोजित करती रहती है। भारत ने इस अभ्यास में पहली बार भाग लिया।

© यू.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी. इंडियन एयर फोर्स

अगस्त में हरियाणा स्थित जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल की सलाहकार जेन शुकॉस्के ने अमेरिकन सेंटर में फुलब्राइट स्कॉलर **कविता ए. शर्मा** की पुस्तक 'इंटरनेशनेलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन: एन अस्पेक्ट ऑफ इंडियाज फॉरेन रिलेशंस' का विमोचन किया। कविता शर्मा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली की निदेशक हैं। इस अवसर पर उच्च शिक्षा के बारे में एक परिचर्चा भी आयोजित की गई।

समाचार गलियारा

कार्लो एडिनोल्फि ने एकल अभिनेता के रूप में अपना अभिनव शारीरिक मुद्राओं और आवाज के उतार-चढ़ाव से **'द व्हेल'** नाटक प्रस्तुत करके अमेरिकी उपन्यासकार हर्मन मेलविल की रचना मोबी डिक को जीवंत बना दिया। इस नाटक का मंचन अगस्त में नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलूर और चेन्नई में किया गया। नाटक में प्रकृति की शक्तियों के साथ मनुष्य के सतत संघर्ष की कहानी प्रस्तुत की गई है। इसमें जहाज का कप्तान एक विशाल व्हेल को पकड़ने का प्रयास करता है। एडिनोल्फि न्यू यॉर्क के कंक्रीट टेंपल थियेटर के क्रिएटिव डायरेक्टर हैं। वे विविध प्रॉप्स के माध्यम से जहाजी जीवन और यहां तक कि विशाल व्हेल को भी मंच पर साकार कर देते हैं।

विनोद वी. एस.

गाथा: कंक्रीट टेंपल थियेटर

इस वर्ष गर्मियों में ओटिसफील्ड, मेन में तीन सप्ताह का 'सीड्स ऑफ पीस कांफ्लिक्ट रिज़ोल्यूशन कोर्स' पूरा करने के बाद **भारतीय और पाकिस्तानी** किशोरों ने वाशिंगटन डी.सी. में अमेरिका के विदेश मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटेरी जॉन डी. नेग्रोपोंटे से भेंट की। इस अवसर पर अमेरिका में भारतीय राजदूत रोनेन सेन भी उपस्थित थे। इन 32 किशोरों ने वार्तालाप, खेलकूद तथा कला संबंधी गतिविधियों से आपस में आत्मीय संबंध बनाए और समाज को मेलजोल के जरिए जोड़ने की कला भी सीखी। 'सीड् ऑफ़ पीस' 1993 में शुरू हुआ और 2001 से अमेरिकी विदेश विभाग के सहयोग से दक्षिण एशियाई युवओं को एक मंच पर लाने का प्रयास कर रहा है।